दिनांक 28 सितंबर 2021 को आयोजित माननीय प्रधान मंत्री महोदय जी के संबोधन एवं किसानों से सीधी बातचीत कार्यक्रम का जीवंत प्रसारण तथा एक दिवसीय कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र, लालगंज, बक्सर

(भा.कृ.अनु.प. का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना)

जलवायु अनुकूल प्रजातियों, प्रौद्योगिकियों एवं कार्य प्रणालियों को जिले के प्रगतिशील किसानों के बीच पहूँचाने तथा कृषि जोखिम को कम करने वाली प्रजातियों को बढ़ावा देने, इनके प्रति जागरूकता लाने तथा इनके प्रसार के उद्देश्य से **दिनांक 28 सितंबर 2021** को **कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर** (भारतीय कृषि अनसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना) द्वारा एक दिवसीय कृषक–वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत जलवायु परिवर्तन से कृषि पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभावों, उत्पन्न समस्याओं एवं कुपोषण की चुनौतियों के समाधान हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित उच्च पोषक तत्वों से भरपूर 35 फसल किस्मों के उन्नतशील बीज एवं राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान, रायपुर के नवनिर्मित परिसर को राष्ट्र को समर्पित करने समेत अन्य योजनाओं से संबंधित माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री तथा माननीय प्रधान मंत्री महोदय जी के संबोधन तथा किसानों से सीधी बातचीत कार्यक्रमों के जीवंत प्रसारण के माध्यम से किया गया जिसमें वर्चूअल माध्यम से जूड़कर आगंतुक **212 महिला एवं पुरूष कृषक बंधु** लाभांवित हुए।

अगले पृष्ठ पर जारी....

वर्चुअल कार्यक्रम उपरांत आयोजित कृषक–वैज्ञानिक समागम कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री इन्द्रप्रताप सिंह, (नगर उपाध्यक्ष, नगर परिषद, बक्सर), श्री संजय सिंह एवं केन्द्र के प्रभारी प्रमुख श्री हरिगोबिंद द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि श्री इन्द्रप्रताप सिंह ने अपने संबोधन मे कहा कि जलवायू अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाकर तथा अनाज उत्पादन मे आत्मनिर्भर होकर ही *"हर थाली मे एक बिहारी व्यजंन"* के सपने को साकार किया जा सकता है। साथ ही उन्होने किसानों से केन्द्र के द्वारा दी गई जानकारी व प्रर्दशित तकनीकियों को अपनाने पर बल दिया। उपस्थित श्री मनोज कुमार (जिला कृषि पदाधिकारी, बक्सर) ने प्रतिभागियों को राज्य सरकार की संबंधित योजनाओं की जानकारी दी तथा इनसे लाभांवित होने का आग्रह किया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित फसल–चना, अरहर, सोयाबीन, धान, बाजरा, मक्का, कुटू, बाकला अन्तर्गत 35 उन्नतशील पोषणयुक्त बीजों की तकनीकी एवं धान क्षेत्र मे लगनेवाले जीवाणू पर्णझूलसा के निदान एवं उपचार की जानकारियाँ इस किसान वैज्ञानिक परिचर्चा के माध्यम से उपस्थित किसान प्रतिभागियों को दी गई। साथ ही जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम अन्तर्गत केन्द्र व किसानों के प्रक्षेत्रों पर आयोजित दीर्घकालिक परीक्षणों व प्रदर्शनों की तकनीकियों को जागरूकता हेतु चलचित्र के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

बक्सर भास्कर (प्रकाशन तिथि–29 सितंबर 2021, पृष्ठ संख्या–16)

संकल्प • कृषि विज्ञान केंद्र डुमरांव में कृषक-वैज्ञानिक समागम का हुआ आयोजन

समागम में लिया गया संकल्प, सभी लोगों की थाली में उपलब्ध होगा बिहारी व्यंजन

सिटी रिपोर्टर | बक्सर

जलवायु अनुकूल प्रजातियों, प्रौद्योगिकीयों एवं कार्य प्रणालियों को जिले के प्रगतिशील किसानों के बीच पहुंचने तथा कृषि जोखिम को कम करने वाले प्रजातियों को बढ़ावा एवं इसके प्रति जागरुकता लाने तथा इसके प्रसार हेतु मंगलवार को कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा एक दिवसीय कृषक-वैज्ञानिक समागम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जलवायु परिवर्तन से कृषि पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव और इससे उत्पन्न समस्या एवं कुपोषण की चुनौतियों के समाधान हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित उच्च पोषक तत्वों से भरपूर 35 फसल किस्मों व राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान, रायपुर के नवनिर्मित परिसर को राष्ट्र को समर्पित करने समेत कई कृषि योजनाओं की शुरुआत करते हुए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री तथा प्रधानमंत्री के संबोधन तथा किसानों से सीधी बातचीत का प्रसारण वर्चुअल कार्यक्रम में किया गया।

उपमुख्य पार्षद ने किया कार्यक्रम का उद्घाटन

कृषक वैज्ञानिक समागम में मौजूद किसान।

केन्द्र द्वारा आयोजित कृषक-वैज्ञानिक समागम कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि इन्द्रप्रताप सिंह, नगर उपाध्यक्ष, जिला कृषि पदाधिकारी, मनोज कुमार, संजय सिंह एवं केन्द्र के प्रभारी प्रमुख हरिगोबिंद ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम के अतिथियों व किसान प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए हरिगोबिंद ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित प्रभेद जिसमें चना, अरहर, सोयाबीन, धान, बाजरा, मक्का, कुटू, बाकला, आदि के कुल 35 उन्नतशील पोषणयुक्त बीज विकसित किये गये जो बदलते जलवायु परिवर्तन से बहुत कम प्रभावित होगें तथा इनका कुपोषण को दूर करने मे महत्वपूर्ण योगदान होगा। जिला कृषि पदाधिकारी, मनोज कुमार ने प्रतिभागियों को राज्य सरकार की संबंधित सभी योजनाओं की जानकारी दी तथा इनका लाभ किसानों को लेने की बात कही। इन्द्रप्रताप सिंह ने कहा कि जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाकर ही अनाज उत्पादन मे आत्मनिर्भर होकर ही 'हर थाली में एक बिहारी व्यजंन' के सपने को साकार को किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने किसानों से कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा दी गई जानकारी व प्रदर्शित तकनीकियों को अपनाने पर बल दिया। कार्यक्रम मे रामोबरिया, बालापुर, चुरामनपुर, हरिकिशुनपुर, दलसागर, जगदीशपुर, हुंकहां, कुकुढ़ा, बिझौरा, आदि गांवों के किसान उपस्थित थे।

अगले पृष्ठ पर जारी....

राष्ट्रीय सहारा (प्रकाशन तिथि–29 सितंबर 2021, पृष्ठ संख्या–05)

कृषि वैज्ञानिक समागम में कृषकों की समाधान की गई समस्याएं

बक्सर (एसएनबी)। जलवायु अनुकूल प्रजातियों, प्रौद्योगिकियों एवं कार्य प्रणालियों को जिले के प्रगतिशील किसानों के बीच पहुंचाने, कृषि जोखिम को कम करने वाले प्रजातियों को बढ़ावा, इसके प्रति जागरूकता लाने एवं इसके प्रसार हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र बक्सर द्वारा एक दिवसीय कृषक-वैज्ञानिक समागम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत जलवायु परिवर्तन से कृषि पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव और इससे उत्पन्न समस्या एवं कुपोषण की चुनौतियों के समाधान हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित उच्च पोषक तत्वों से भरपूर 35 फसल किस्मों व राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान, रायपुर के नवनिर्मित परिसर को राष्ट्र को समर्पित करने समेत कई कृषि योजनाओं की शुरूआत करते हुए माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री तथा माननीय प्रधान मंत्री महोदय के संबोधन तथा किसानों से सीधी बातचीत कार्यक्रम का जीवंत प्रसारण किया गया। यह कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से किया गया, जिसमें बक्सर के 200 से अधिक किसानों ने भाग लिया एवं जागरूक हुए। तत्पश्चात् केन्द्र द्वारा आयोजित कृषक-वैज्ञानिक समागम कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि इन्द्रप्रताप सिंह, नगर उपाध्यक्ष (नगर परिषद बक्सर), जिला कृषि पदाधिकारी बक्सर मनोज कुमार, संजय सिंह एवं केन्द्र के प्रभारी प्रमुख हरिगोबिंद ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया।

दीप प्रज्वलित करते केंद्र प्रभारी एवं अन्य।

कार्यक्रम के अतिथियों व किसान प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए हरिगोबिंद ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित प्रभेद जिसमें चना, अरहर, सोयाबीन, धान, बाजरा, मक्का, कुटू, बाकला आदि के कुल 35 उन्नतशील पोषणयुक्त बीज विकसित किये गये है, जो बदलते जलवायु परिवर्तन से बहुत कम प्रभावित होगें तथा इनका कुपोषण को दूर करने मे महत्वपूर्ण योगदान होगा। गेहूं प्रभेद बी0एच0यू0 25 एवं 31 जैसे जैव संपोषित प्रजातियों की वैज्ञानिक विधि से उत्पादन के तरीकों को विस्तारपूर्वक बताया।

उपस्थित जिला कृषि पदाधिकारी, मनोज कुमार ने प्रतिभागियों को राज्य सरकार की संबंधित सभी योजनाओं की जानकारी दी तथा इनका लाभ किसानों को लेने की बात कही। विशेषज्ञ एवं जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के केन्द्र प्रधान अन्वेषक रामकेवल ने उपस्थित सभी कृषकों को जलवायु अनुकूल लंबी अवधि के प्रक्षेत्र परीक्षण एवं प्रदर्शन इकाई मे विभिन्न उन्नति कृषि तकनीकियों को भ्रमण कराकर अपनाने पर जोर दिया। साथ ही जलवायु अनुकूल खेती को बढ़ावा देने हेतु नई प्रजातियों को अपनाने की बात कही। संजय सिंह राजनेता ने कहा प्रधानमंत्री जी किसानो की आमदनी दोगुनी करने के दिशा में लगातार काम कर रहे है। मुख्यमंत्री का विजन की देश के हर थाली में एक व्यंजन बिहारी हो साकार हो रहा है। बिहार देश का पहला राज्य है। जिसके लिए कृषि रोड मेप कई विभागों को एक साथ जोर कर काम करने की दिशा में काम कर रहा है। कृषि फीडर पर काम जल्दी पूरा हो जाएगा। सभी पाँच ग्राम रामोबारियाँ, बालापुर, चुरामनपुर, हरीकिशुनपुर, दलसागर के सभी किसान भाई को .षि विज्ञान केन्द्र बक्सर के पूरी टीम को धन्यवाद शुभकामनाएँ आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में रमावती देवी, गीता देवी, अंजली कुमारी, बिपिन बिहारी पाण्डेय, प्रेमचंद कुमार, मनोज कुमार दूबे, सुमंत पासवान, रौशन कुमार सिंह, सोनापति यादव, छोटे शर्मा, लालजी यादव, पुष्पा देवी समेत 200 से ज्यादा किसान थे। केन्द्र के आरिफ परवेज,रवि चटर्जी, सरफराज अहमद खान, अरविंद कुमार, संदीप कुमार ने सहयोग किया।

बक्सर के 200 से अधिक किसानों ने भाग लिया एवं हुए जागरूक

***